**भारत सरकार**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय**

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या: 2763**
**दिनांक 12 दिसंबर, 2024**

**कर्नाटक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना**

**†2763. श्री बसवराज बोम्मई :**

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) कर्नाटक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के कार्यान्वयन में सरकार की क्या उपलब्धियां हैं;
(ख) कर्नाटक में उक्त सरकार के अंतर्गत कितने नामांकन किए गए हैं और लाभार्थियों को जिला-वार कुल कितनी राजसहायता प्रदान की गई है;
(ग) उक्त योजना का ऊर्जा बचत और उपभोक्ता बिजली बिलों में कमी के संबंध में क्या प्रभाव पड़ा है;
(घ) क्या सरकार पंजीकरण पोर्टल पर आ रही किन्हीं तकनीकी समस्याओं से अवगत है, जो प्रयोक्ताओं की पहुंच को प्रभावित करते हैं; और
(ड.) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इन समस्याओं के समाधान के लिए क्या उपाय किए गए हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**
**पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री सुरेश गोपी)**

(क) और (ख): देश भर में गरीब परिवारों की व्यस्क महिला सदस्य के नाम पर बगैर जमानत राशि के एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मई 2016 में प्रधान मंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) की शुरूआत की गई थी। पीएमयूवाई चरण-I के तहत सितंबर, 2019 में 8 करोड़ कनेक्शनों को जारी करने के लक्ष्य को हासिल कर लिया गया था। 1 करोड़ अतिरिक्त पीएमयूवाई कनेक्शनों को जारी करने के लक्ष्य सहित शेष गरीब परिवारों को कवर करने के उद्देश्य से अगस्त 2021 में पीएमयूवाई चरण-2 (उज्ज्वला 2.0) की शुरूआत की गई थी, जिसे जनवरी 2022 में हासिल कर लिया गया था। तत्पश्चात, सरकार ने उज्ज्वला 2.0 के तहत 60 लाख और एलपीजी कनेक्शनों को जारी करने का निर्णय लिया है और दिनांक 01.01.2023 की स्थिति के अनुसार, उज्ज्वला 2.0 के तहत 1.60 करोड़ कनेक्शन जारी करने के लक्ष्य को पहले ही हासिल कर लिया गया है। इसके अलावा वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26 की अवधि के लिए पीएमयूवाई योजना के तहत सरकार ने अतिरिक्त 75 लाख पीएमयूवाई कनेक्शनों को जारी करने का अनुमोदन प्रदान कर दिया है जिसे जुलाई 2024 में ही हासिल कर लिया गया है और इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, देश में अप्रैल 2016 में एलपीजी कवरेज में 62 प्रतिशत से सुधार होकर संतृप्ति के निकट पहुंच गया है।

पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को अत्यधिक किफायती मूल्य पर एलपीजी उपलब्ध कराने और उनके द्वारा एलपीजी के निरंतर उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार ने मई 2022 में पीएमयूवाई उपभोक्ताओं को प्रतिवर्ष 12 रीफिलों तक के लिए 14.2 कि. ग्रा. वाले प्रति सिलेंडर पर 200 रूपए (और 5 किलोग्राम सिलिंडर के लिए समानुपातिक रूप से आनुपातिक) तक की निर्धारित की शुरूआत की है। अक्टूबर 2023 में, सरकार ने प्रतिवर्ष 12 रीफिलों तक के लिए 14.2 कि.ग्रा. वाले प्रति सिलेंडर पर 300रूपए (और 5 किलोग्राम सिलेंडर के लिए समानुपातिक रूप से आनुपातिक) की निर्धारित राजसहाता को और आगे बढ़ाया है। पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए 300 रुपए प्रति सिलेंडर की निर्धारित राजसहायसता के बाद, भारत सरकार प्रति सिलेंडर 503 रुपए के प्रभावी मूल्य पर 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर उपलब्ध (दिल्ली में) करा रही है। यह कर्नाटक में 41.47 लाख लाभार्थियों सहित देश भर में 10.33 करोड़ उज्ज्वला लाभार्थियों से अधिक लाभार्थियों को उपलब्ध है। कर्नाटक में पीएमयूवाई लाभार्थियों के जिले-वार ब्यौरे **अनुलग्नक** में दिए गए हैं।

(ग): भारत में मुख्य रूप से एलपीजी का उपयोग खाना पकाने के उद्देश्य से किया जाता है और परिवार में ऊर्जा के स्त्रोत के रूप में विद्युत के साथ यह कभी-कभी ही प्रतिस्पर्द्धा करती है।

(घ) और (ड़): पीएमयूवाई लाभार्थियों सहित एलपीजी उपभोक्ता इंटरऐक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम (आईवीआरएस), शार्ट मैसेज सर्विस (एसएमएस), व्हाट्सअप, डिस्ट्रीब्यूटर को सीधे फोन करके, ई कॉमर्स प्लेटफॉर्म, ओएमसी मोबाइल ऐप्लीकेशन, ओएमसीज वेब पोर्टलों आदि सहित विभिन्न माध्यमों से रीफिल बुक कर सकते हैं। ये विभिन्न विकल्प उपयोगकर्त्ता को एलपीजी रीफिल की निर्बाध और परेशानी मुक्त बुकिंग करने के लिए बेहतर पहुंच प्रदान करते हैं।

****

**अनुलग्नक**

**''कर्नाटक में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना'' के संबंध में संसद सदस्य श्री बसवराज बोम्मई द्वारा दिनांक 12.12.2024 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2763 के भाग (ख) के उत्तर में उल्लेखित अनुलग्नक।**

| जिला | पीएमयूवाई के तहत जारी किए गए कुल कनेक्शन |
|---|---|
| बागलकोट | 1,95,230 |
| बैंगलोर | 30,713 |
| बेंगलुरु ग्रामीण | 48,888 |
| बेलगाम | 4,12,293 |
| बेल्लारी | 1,53,710 |
| बीदर | 1,97,211 |
| बीजापुर (केएआर) | 2,14,711 |
| चामराजनगर | 90,064 |
| चिकबलपुर | 87,158 |
| चिकमंगलूर | 61,916 |
| चित्रदुर्ग | 1,58,012 |
| दक्षिण कन्नड़ | 58,102 |
| दावनगेरे | 1,48,251 |
| धारवाड़ | 1,14,261 |
| गडग | 1,07,545 |
| गुलबर्गा | 2,53,461 |
| हसन | 99,928 |
| हावेरी | 1,74,460 |
| कोडागू | 17,733 |
| कोलार | 88,799 |
| कोप्पल | 1,66,617 |
| मंड्या | 1,43,714 |
| मैसूर | 1,62,671 |
| रायचूर | 2,54,225 |
| रामनगर | 64,306 |
| शिमोगा | 86,700 |
| तुमकुर | 2,10,377 |
| उडुपी | 32,367 |
| उत्तर कन्नड़ | 97,748 |
| विजयनगर | 62,934 |
| यादगीर | 1,53,268 |

स्रोत: उद्योग आधार पर आईओसीएल

****